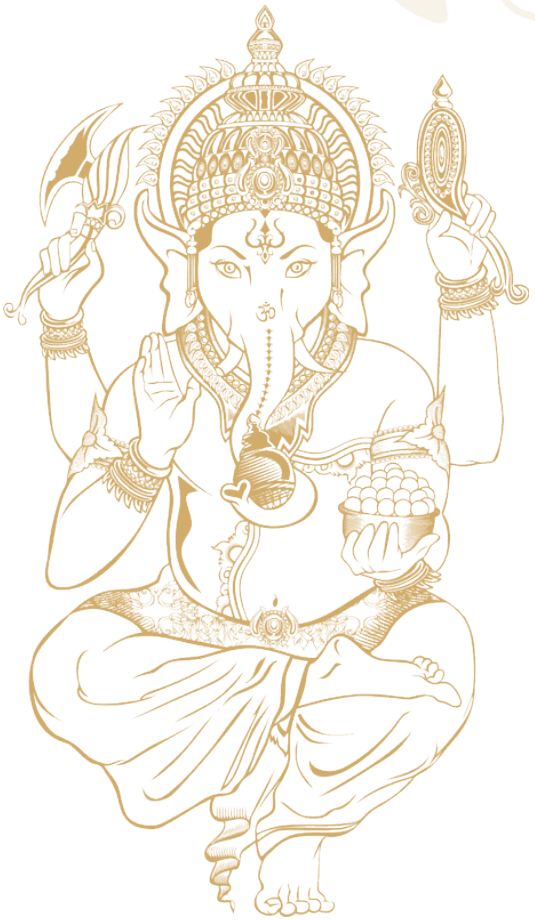

Mr.I

09 Jul 2014

05:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119135409

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/07/2014**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	30:37:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:12 घंटे
साम्पातिक काल	12:33:18 घंटे
सूर्योदय	05:30:09 घंटे
सूर्यास्त	19:22:12 घंटे
दिनमान	13:52:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:09:45 मिथुन
लग्न के अंश	01:03:44 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	01:03:44	324:33:01	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	23:09:45	00:57:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	12:16:22	14:07:59	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			कन्या	27:53:03	00:26:44	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध			मिथु	02:56:41	00:39:41	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			कर्क	04:24:22	00:13:13	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			वृष	25:01:32	01:11:56	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि	व		तुला	22:41:08	00:01:05	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	00:39:09	00:05:49	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	00:39:09	00:05:49	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
हर्ष			मीन	22:22:55	00:00:37	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	13:18:16	00:00:54	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	18:05:58	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	15:00:22	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:43

लग्न-चलित

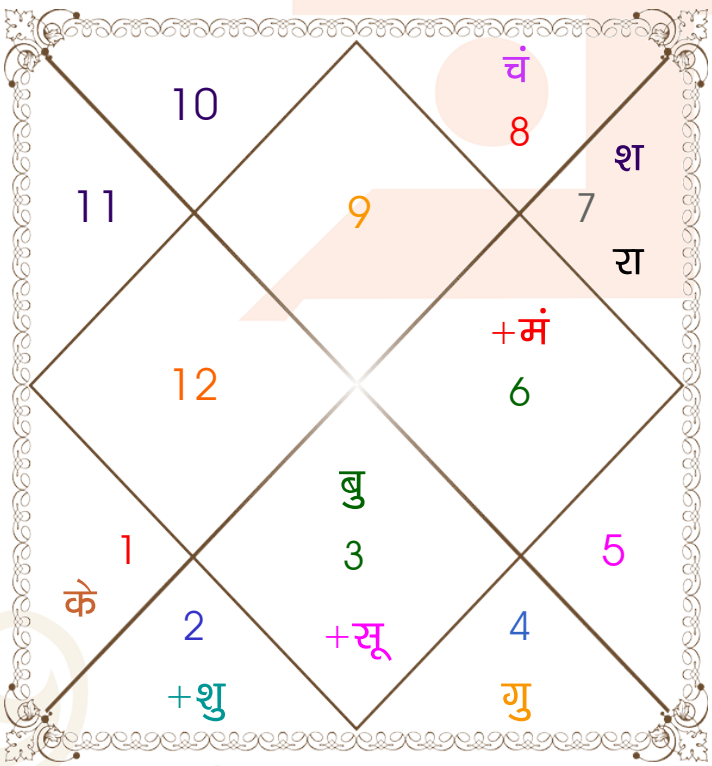

चन्द्र कुंडली

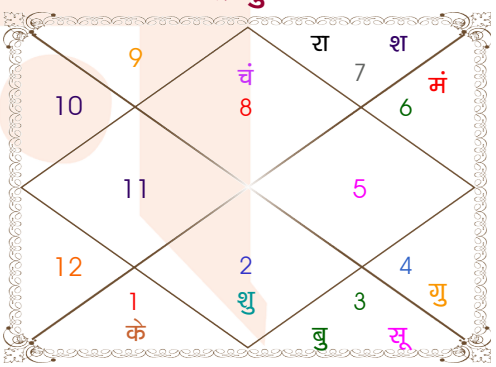

नवमांश कुंडली

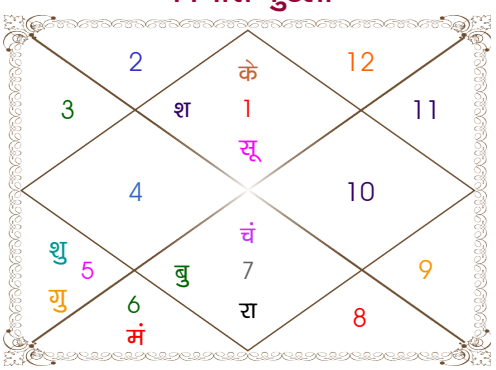

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 3 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
09/07/2014		12/10/2020		12/10/2037		12/10/2044		12/10/2064	
12/10/2020		12/10/2037		12/10/2044		12/10/2064		13/10/2070	
	00/00/0000	बुध	11/03/2023	केतु	11/03/2038	शुक्र	12/02/2048	सूर्य	30/01/2065
	00/00/0000	केतु	07/03/2024	शुक्र	11/05/2039	सूर्य	11/02/2049	चंद्र	31/07/2065
	00/00/0000	शुक्र	06/01/2027	सूर्य	16/09/2039	चंद्र	13/10/2050	मंगल	06/12/2065
	00/00/0000	सूर्य	12/11/2027	चंद्र	16/04/2040	मंगल	13/12/2051	राहु	31/10/2066
	00/00/0000	चंद्र	13/04/2029	मंगल	12/09/2040	राहु	13/12/2054	गुरु	19/08/2067
	09/07/2014	मंगल	10/04/2030	राहु	30/09/2041	गुरु	13/08/2057	शनि	31/07/2068
मंगल	26/05/2015	राहु	27/10/2032	गुरु	06/09/2042	शनि	12/10/2060	बुध	07/06/2069
राहु	01/04/2018	गुरु	02/02/2035	शनि	16/10/2043	बुध	13/08/2063	केतु	12/10/2069
गुरु	12/10/2020	शनि	12/10/2037	बुध	12/10/2044	केतु	12/10/2064	शुक्र	13/10/2070

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/10/2070		12/10/2080		13/10/2087		13/10/2105		13/10/2121	
12/10/2080		13/10/2087		13/10/2105		13/10/2121		00/00/0000	
चंद्र	13/08/2071	मंगल	10/03/2081	राहु	25/06/2090	गुरु	02/12/2107	शनि	16/10/2124
मंगल	13/03/2072	राहु	29/03/2082	गुरु	18/11/2092	शनि	14/06/2110	बुध	26/06/2127
राहु	12/09/2073	गुरु	05/03/2083	शनि	25/09/2095	बुध	19/09/2112	केतु	04/08/2128
गुरु	12/01/2075	शनि	13/04/2084	बुध	13/04/2098	केतु	26/08/2113	शुक्र	05/10/2131
शनि	12/08/2076	बुध	10/04/2085	केतु	02/05/2099	शुक्र	26/04/2116	सूर्य	16/09/2132
बुध	12/01/2078	केतु	06/09/2085	शुक्र	02/05/2102	सूर्य	12/02/2117	चंद्र	17/04/2134
केतु	13/08/2078	शुक्र	06/11/2086	सूर्य	27/03/2103	चंद्र	14/06/2118	मंगल	10/07/2134
शुक्र	13/04/2080	सूर्य	14/03/2087	चंद्र	25/09/2104	मंगल	21/05/2119		00/00/0000
सूर्य	12/10/2080	चंद्र	13/10/2087	मंगल	13/10/2105	राहु	13/10/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।